Seventeenth Loksabha

>

Title: Request to start Custom Duty station from Kakarwaha to Lumbini at Indo-Nepal Border.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): धन्यवाद सभापति महोदय, मैं तथागत गौतमबुद्ध की धरती सिद्धार्थनगर की ओर सदन का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं । गौतमबुद्ध सिद्धार्थ के रूप में **29** वर्षों तक कपिलवस्तु में रहे । लुंबिनी नेपाल में है । भारत और नेपाल के मध्य इंडो-नेपाल ट्रीटी है । हमारी सरकार आने के बाद जिस तरह से संविधान सभा में प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने नेपाल को न केवल पड़ोसी, बल्कि भारत के एक भाई की तरह से उसकी प्रगति और विकास में सहयोग दिया है, वह स्वागत योग्य है । लुंबिनी से ककरहवा तक एक लैंड कस्टम स्टेशन के लिए सर्वे हो चुका है । भारत-नेपाल की ज्वाइंट टीम्स सर्वे कर चुकी हैं । कमेटी की थर्ड कॉंप्रिहेंसिव बैठक होने वाली है ।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से यह मांग करना चाहता हूं कि ट्रेड ट्रांजिट के माध्यम से भारत-नेपाल के बीच व्यापार बढ़े और लखनऊ-दिल्ली से सिद्धार्थनगर होकर ककरहवा और वहां से लुंबिनी होकर काठमांडू आवागमन हो । लोग अभी भैरहवा-नौतनवा होकर गोरखपुर से आते हैं । इससे निश्चित तौर पर व्यापार बढ़ेगा, राजस्व बढ़ेगा और भारत-नेपाल के रिश्तों में भी मजबूती आएगी । आज चाइना नेपाल में पांव जमाने का प्रयास कर रहा है । अगर यह नाका खुल जाएगा और कस्टम लैंड स्टेशन की स्थापना होगी तो इससे निश्चित तौर पर भारत और नेपाल के रिश्तों और ट्रेड में काफी बढ़ोत्तरी होगी । दोनों ही देशों के लोग, जिनको बहुत दूर, गोरखपुर या बहराइच से होकर भारत आना पड़ता है, इससे उनको भी आसानी हो जाएगी । धन्यवाद ।